टीकमगढ़

नवभारत
भोपाल, मंगलवार, 17 फरवरी 2026

एक नजर में

19 फरवरी को प्रशिक्षण संस्था में लगेगा प्लेसमेंट

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

जिले के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में एक विशेष प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट ड्राइव देश की अग्रणी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के हरिद्वार उत्तराखंड प्लांट हेतु आयोजित की जा रही है। यह प्लेसमेंट ड्राइव 19 फरवरी को प्रातः 9:30 बजे से शासकीय आईटीआई, परिसर में आयोजित होगी। इसमें पुरुष एवं महिला' दोनों अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं।

प्लेसमेंट ड्राइव के लिये योग्यता आईटीआई उत्तीर्ण वर्ष 2023, 2024 एवं 2025, शैक्षणिक योग्यता 10वीं आईटीआई एनसीव्हीटी, एससीव्हीटी तथा आयु सीमा 18 से 26 वर्ष है। ट्रेड्स फिटर, वेल्डर, मशीनिस्ट, टर्नर, ट्रैक्टर मैकेनिक, डीज़ल मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक सहित अन्य तकनीकी ट्रेड्स महिला अभ्यर्थियों के लिए अतिरिक्त ट्रेड्स भी उपलब्ध है। चयनित अभ्यर्थियों को लगभग 24,933 मासिक सीटीसी, इन-हैंड वेतन लगभग 17,247 पीएफ व ईएसआई सहित दिया जायेगा। अप्रेंटिस के लिए मासिक स्टाइपेंड लगभग 18,760 रूपये तथा कैंटीन, यूनिफॉम, शूज़ एवं मेडिकल इंश्योरेंस की सुविधा दी जायेगी।

दूध डेयरियों की प्रशासन नहीं करता जांच पड़ताल

अधिकारियों की उदासीनता का संचालक उठा रहे लाभ

चौंकाने वाला है जिले का पशुधन आंकड़ा

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

जिले में इन दिनों एक बड़ा और गंभीर सवाल आम जनता के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। बड़ी-बड़ी दूध डेयरी और ब्रांडेड कंपनियां रोजाना हजारों लीटर दूध की सप्लाई कर रही हैं, लेकिन अब तक इसकी कोई ठोस जांच-पड़ताल क्यों नहीं की जाती है क्या प्रशासन, खाद्य विभाग और संबंधित एजेंसियां आंख मूंदकर सब कुछ देखने की आदी हो चुकी हैं। जिसका लाभ दूध डेयरी संचालक उठा रहे है। और ग्राहक मिलावटी दूध का उपयोग कर बीमारियों को बुलावा दे रहे है।

जिले की भौगोलिक स्थिति और पशुधन आंकड़ों पर नजर डालें तो यह सवाल और भी चौंकाने वाला बन जाता है। जिले में ना तो इतनी बड़ी डेयरी फार्मिंग यूनिट्स हैं और न ही उत्तनी संख्या में दुधारू पशु, जितना दूध रोज बाजार में खपाया जा रहा है। इसके बावजूद ब्रांडेड कंपनियों के दूध, देशी घी, पनीर, दही हर गली-मोहल्ले में धड़ल्ले से बिक रहे हैं। सवाल यह है इतना सारा दूध आखिर आ कहां से रहा है स्थानीय दुग्ध उत्पाद कों का कहना है कि वे खुद सीमित मात्रा में ही दूध उत्पादन कर पा रहे हैं। कई छोटे किसान तो लागत भी नहीं निकाल पा रहे, जबकि बाजार में दूध की कोई कमी दिखाई नहीं देती। क्या यह संकेत नहीं देता कि कहीं न कहीं मिलावटी दूध, पाउडर से तैयार दूध या रासायनिक तरीकों से बनाए गए दुग्ध उत्पादों की सप्लाई हो रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि अब तक खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा न तो नियमित सैंपलिंग की गई और न ही किसी बड़ी ब्रांडेड कंपनी के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कोई जांच रिपोर्ट सामने आई क्या ब्रांडेड नाम होने से कानून से छूट मिल जाती है। देशी घी के नाम पर बिकने वाला घी, पनीर की आड़ में विक रहा सिंथेटिक पदार्थ, दही और मठा में इस्तेमाल हो रहे संदिग्ध केमिकल ये सिर्फ आशंकाएं नहीं हैं, बल्कि देश के कई हिस्सों में पहले ही ऐसे खुलासे हो चुके हैं। फिर टीकमगढ़ में ऐसा क्या खास है कि यहां सब कुछ सुरक्षित। मान लिया गया दूध और उससे बने उत्पाद बच्चे, बुजुर्गों और बीमार लोगों की रोजमर्रा की जरूरत हैं।

अगर इनमें मिलावट हो, तो इसका असर सीधा लोगों की सेहत पर पड़ता है किडनी, लीवर, पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम तक को नुकसान पहुंच सकता है। फिर भी जिम्मेदार विभागों की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। जरूरत है कि टीकमगढ़ में सप्लाई हो रहे हर बड़े डेयरी ब्रांड, दूध कलेक्शन सेंटर और दुग्ध उत्पाद यूनिट की सख्त जांच हो। दूध का स्रोत क्या है, उत्पादन कहां हो रहा है, गुणवता मानकों का पालन श्री स्वा है या नहीं इन सभी बिंदुओं पर पारदर्शी जांच अनिवार्य है। सिर्फ ब्रांडेड पैकिंग और बड़े नामों के भरोसे सेहत की दांव पर नहीं लगाया जा सकता। अगर समय रहते जांच नहीं हुई, तो यह लापरवाही आने वाले समय में एक बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। सवाल साफ है दूध सफेद है, लेकिन क्या इसकी सच्चाई भी उतनी ही साफ है। टीकमगढ जिले में दूध मक्खन घी और पनीर की आसान उपलब्धता ने शुद्धता पर सवाल खड़े कर दिए है। घी और मक्खन के दाम अलग-अलग है-बड़ी दुकानों और फेरी वालों की कीमतों में भारी अंतर है।

पनीर कर रहा लोगों की सेहत प्रभावित

पनीर के नाम पर नकली उत्पाद बिकने की शिकायतें आम हो गई है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत प्रभावित हो रही है। बावजूद इसके, खाद्य विभाग को ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आज तक किसी बड़ी डेयरी पर ठोस कार्यवाही की बात नहीं आई है। इसका मतलब यह है कि टीकमगढ में दुग्ध उत्पाद बेहद शुद्ध आ रहे है और दुग्ध उत्पादों की कोई कमी भी नहीं है। दीपावली जैसे त्यौहारों पर हजारों किलो मिठाईया शुद्ध दूध से ही बनती है क्योंकि खाद्य विभाग की टीम जांच करने तो जाती है परंतु कभी मक्खन, घी, पनीर के सैम्पल की व्यापक जांच कभी सार्वजनिक नहीं की गई।

जांच रिपोर्ट आने तक सैम्पल का खेल खत्म

त्यौहारों के पहले अधिकारियों का एक दल वसूली पर निकलता है जो जांच के नाम पर सैम्पल तो कलेक्ट करता है परंतु जांच रिपोर्ट आने तक बाजार का खेल खत्म हो जाता है और आम जनता अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करवा लेती है। विभाग की रिपोर्ट कब आती है और कब जाती है। यह सिर्फ दस्तावेजों में सिमटकर रह जाता है। दूध और दुग्ध उत्पादों के स्त्रोत, कीमतों में अंतर ओर गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच की रिपोर्ट अगर सार्वजनिक की जाए तो जिले में बिक रहा दूध और उसके उत्पादन सच में सेहतमंद है या सिर्फ आसानी से उपलब्धता के पीछे कोई बड़ा खेल चल रहा है। यह बड़ा सवाल है।

संदिग्ध हालत में मिला व्यक्ति का शव

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

मोहनगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत दरगाएं कलां के ढुलाई खिरक पर सुबह खेत पर संदिग्ध हालत में 40 वर्षीय व्यक्ति भागीरथ केवट का शव मिला है। इस घटना की खबर फैलते ही गांव व क्षेत्र में सनसनी फैल गई। इस घटना को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

मृतक के परिजनों ने बताया कि इस घटना की सूचना मोहनगढ़ पुलिस को सुबह9 बजे दे दी थी, लेकिन दोपहर 2.30 बजे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची है। मृतक के परिजनों ने बताया है कि मृत व्यक्ति भागीरथ केवट उम्र 40 साल निवासी ढुलाई खिरक ग्राम पंचायत दरगाएं कलां थाना मोहनगढ़ के रहने वाले हैं। वह बीती रविवार की रात को फसल की रखवाली करने के लिए खेत पर गए थे। सुबह जब उनका पुत्र सुनील केवट खेत पर पहुंचा तो वह मृत हालत में खेत पर पाए गए। इस घटना को लेकर परिजन अज्ञात व्यक्ति पर हत्या करने के आरोप लगा रहे हैं।

परिजनों ने बताया है कि मोहनगढ़ पुलिस अब मौके पर पहुंच गई और पुलिस द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। मोहनगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत दरगाएं कलां के ढुलाई खिरक पर सुबह खेत पर संदिग्ध हालत में 40 वर्षीय व्यक्ति भागीरथ केवट का शव मिला है। इस घटना की खबर फैलते ही गांव व क्षेत्र में सनसनी फैल गई। इस घटना को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। इस मामले को लेकर समूचे मोहनगढ़ क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। लोग इस घटना के वारे में तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे है। हालाकि पुलिस ने शव का पीएम कराकर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

महाशिवरात्रि महोत्सव का मातृधाम में समापन

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

मातृधाम छिपरी में चल रहे महाशिवरात्रि महोत्सव का समापन हो गया। अंतिम दिन इंडियन आइडल फेम पवनदीप राजन ने अपनी टीम के साथ प्रस्तुति दी। इस अवसर पर संत रविशंकर महाराज ने तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। कार्यक्रम में जतारा विधायक हरिशंकर खटीक मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

संत श्री रविशंकर महाराज ने बताया कि मां शारदा पहाड़ी पर 1000 शिवलिंग का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, भक्तों के लिए अन्नपूर्णा रसोई का निर्माण होगा और 10 बिस्तरों वाले अस्पताल का भी निर्माण कराया जाएगा।उन्होंने जतारा विधायक हरिशंकर खटीक से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए संदीपनी स्कूल के निर्माण का आग्रह किया। महाराज ने कहा कि स्कूल की बिल्डिंग और शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होनी चाहिए, ताकि ग्रामीण बच्चों को पढ़ाई के लिए दूर न जाना पड़े। कार्यक्रम में विधायक ने नदी तालाब जोड़ो योजना के तहत दूसरे चरण की जानकारी दी।

मछली पालन का दो दिवसीय प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम माडूमर में स्थानीय मछली पालकों के लिए आयोजित दो दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मिश्रित मछली पालन विषय पर आधारित यह प्रशिक्षण दो दिवसीय आयोजित किया गया।

जिसमें काली माँ मत्स्य उद्योग समिति, माडूमर के 26 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यक्रम केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बीएस किरारके मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के मुख्य प्रशिक्षक और केंद्र के मत्स्य वैज्ञानिक डा. सतेंद्र कुमार ने समिति के सदस्यों को मिश्रित मछली पालन की बारीकियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई, जिसमें किस्मों का चयन एक ही तालाब में कतला, रोहू और मृगल नैन जैसी विभिन्न प्रजातियों को एक साथ पालने की तकनीक, जिससे तालाब के हर स्तर का उपयोग हो सके। उन्नत आहार प्रबंधन मछलियों के लिए संतुलित पूरक आहार तैयार करना। जल प्रबंधन तालाब के पानी की गुणवत्ता बनाए रखने, बीमारियों से बचाव के उपाय बाताए।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की योजनाओं की समीक्षा

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री श्रोत्रिय ने कहा कि राजस्व अभिलेख सुधार हेतु अगला कैंप तहसील लिधौरा में लगाया जायेगा। उन्होंने व्यवस्थाओं हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। कैंप तिथि की सूचना अलग से दी जायेगी।

बैठक में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने संकल्प से समाधान अभियान की विस्तार से समीक्षा की तथा बताया कि अभियान अंतर्गत द्वितीय चरण कल से प्रारंभ हो रहा है। इसके तहत 17 फरवरी मंगलवार को दिगौड़ा में तथा 18 फरवरी बुधवार को बल्देवगढ़ में नोडल अधिकारियों द्वारा शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभाग प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करायें एवं शिविर लगाकर समस्याओं आवेदकों को समस्याओ का निराकरण भी करायें। साथ ही उन्होंने अभियान के नोडल अधिकारियों को पोर्टल पर आवेदन सहित सभी दस्तावेजों की प्रवष्टि कराने के निर्देश दिये।

किसान स्वयं लें जे फार्म सर्विसेस का लाभ

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

जे फार्म ऐप के जरिए किसान अब अपने ट्रैक्टर व कृषि यंत्रों को किराए पर दे सकते हैं तथा कृषि यंत्रों को किराए पर बुक भी कर सकते हैं। जे फार्म सर्विसेस ऐप पर किसान स्वयं को सेवा प्रदाता, कृषक व एफपीओ के रूप में रजिस्टर कर जे फार्म सर्विसेस का लाभ ले सकते है।

जे फार्म सर्विसेस ऐप ठीक ओला, उबर की तरह कृषि यंत्रों को किराए पर देने व लेने की के लिए कार्य करता है। किसान जे फार्म सर्विसेस ऐप अपने मोबाइल पर प्ले स्टोर से जे फार्म सर्विसेज सर्च कर डाउनलोड कर सकते है तथा अपने मोबाइल नंबर से स्वयं को ऐप पर रजिस्टर कर सकते है। जिले में अब तक 69 निजी कस्टम हायरिंग केंद्र, 25784 कृषक, 567 सेवा प्रदाता के साथ कुल 1050 कृषि यंत्र जे फार्म सर्विसेस ऐप पर रजिस्टर हो चुके है।

शिवधाम में कलाकारों ने भक्ति गायन की दीं प्रस्तुतियां

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

संस्कृति विभाग मप्र शासन द्वारा कुण्डेश्वर धाम मंदिर परिसर में शिवरात्रि के पावन अवसर पर सांध्यबेला में शिव-शक्ति की कला अभिव्यक्तियों पर एकाग्र महादेव महोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में शिव विवाह, लोक गायन एवं भक्ति गायन की प्रस्तुतियाँ संयोजित की गईं। कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने शिव भक्ति, लोक परम्परा और शास्त्रीय-सुगम कलाओं के सुरम्य त्रिवेणी के रूप में श्रद्धा और भक्ति की एक अनुपम आध्यात्मिक एकत्व को रचा। संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से यह आयोजन किया गया। सर्वप्रथम अतिथियों के साथ दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

महोत्सव की सांध्यबेला में जब दीपों की आभा और शिवनाम की गूंज वातावरण में रच-बस गई, तब मंच पर सुश्री साक्षी पटेरिया की सुमधुर उपस्थिति ने भक्तिरस का एक नया अध्याय प्रारंभ किया।

इस गीत में शिव-विवाह की अलौकिक छटा, कैलाश की दिव्यता और बारात की अनूठी लोक-छवियों का ऐसा सजीव चित्र उकेरा गया कि श्रोता स्वयं को उस दिव्य यात्रा का सहभागी अनुभव करने लगे। भोला जोगी हो गए रे... प्रस्तुति से शिव के वैराग्य को स्वरबद्ध किया। उनके गायन में लोकधुनों की सहजता और भक्ति की गहराई का सुंदर समन्वय मंच पर साकार हो रहा था। गौरा सांची बताओ, कैसे करबा लओ भोले बाबा से ब्याव... गीत के माध्यम से पार्वती-शिव संवाद की मधुर कल्पना का शब्दों के माध्यम से चित्रण कर लोकभावना और स्त्री-हृदय की कोमल अभिव्यक्तियों को प्रस्फुटित किया। हों रये हरीरे पीरे भोले की धुन में..., शंकर चौरा रे... और भोला नई माने... जैसे गीतों में ग्रामीण संस्कृति की सौंधी महक और लोकजीवन की सरल आस्था स्पष्ट झलकती रही।

केंद्रीय मंत्री ने अस्पताल में किया नवीन ओपीडी का शुभारंभ

जिला अस्पताल की आधुनिक मशीनों का हुआ निरीक्षण

मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी

नवभारत न्यूज, टीकमगढ़।

केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार के करकमलों से आज जिला चिकित्सालय के प्राइवेट वार्ड में नवीन ओपीडी बाह्य रोगी विभाग की शुरूआत हुई। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय के विभिन्न विभागों, जांच केंद्रों और उपलब्ध जनसुविधाओं का अवलोकन किया। सर्वप्रथम केन्द्रीय मंत्री डॉ. कुमार ने जनप्रतिनिधियों तथा कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के साथ दीप प्रज्जवलन कर तथा विधि-विधान से पूजन कर नवीन ओपीडी की शुरूआत की।

तत्पश्चात उन्होंने ओपीडी में आधुनिक मशीनों, डॉक्टर कक्ष का निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि जिला स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे आम नागरिकों को बड़े शहरों में इलाज के नहीं जाना पड़े। इसीक्रम में आज जिला चिकित्सालय स्थित प्राइवेट वार्ड में ओपीडी शुरू होने से मरीजों को बेहतर सुविधा, कम प्रतीक्षा समय और सुचारु इलाज मिल सकेगा। नवीन ओपीडी के प्रारंभ होने से पुरानी ओपीडी पर कम भार पड़ेगा और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि जिन रोगों के इलाज के लिये नवीन ओपीडी प्रारंभ की गई उनकी मेडिसन के लिये वितरण केन्द्र भी स्थापित किया जाये, जिससे मरीजों को इलाज के साथ दवाईयां भी एक साथ मिलने से उन्हें दूसरी जगह नहीं जाना पड़ेगा।इस अवसर पर विवेक चतुर्वेदी, सांसद प्रतिनिधि अनुराग वर्मा, स्वप्निल तिवारी, ब्रजकिशोर तिवारी, अरविंद खटीक सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सीएमएचओ डॉ. ओपी अनुरागी, सिविल सर्जन डॉ. अमित शुक्ला, सहायक प्रबंधक जिला चिकित्सालय डॉ. अंकुल साहू सहित डॉक्टर तथा जिला चिकित्सालय का स्टॉफ उपस्थित रहा।

ओपीडी पुराने भवन से होगी संचालित

सिविल सर्जन डॉ. अमित शुक्ला ने बताया कि नवीन भवन में मेडीसन, नाक,कान,गला, दंत एवं त्वचा संबंधी रोगों की ओपीडी प्रारंभ की गई है। पूर्व की भांति ओर्थो एवं सर्जिकल ओपीडी पुराने भवन में संचालित रहेगी। उन्होंने बताया कि नवीन भवन में मरीजों के लिये पर्चा बनवाने के लिये भी काउंटर की सुविधा की गई है।

प्रदर्शन राज्यपाल के नाम जिला प्रशासन को दिया ज्ञापन

अधिवक्ता की हत्या के विरोध में अधिवक्ता संघ का प्रदर्शन

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

सोमवार को जिला अधिवक्ता संघ ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया। शिवपुरी के करेरा में वरिष्ठ वकील की हत्या और टीकमगढ़ में वकीलों के साथ लगातार हो रही वारदातों के विरोध में यह कदम उठाया गया।

अधिवक्ताओं ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने और एसपी को हटाने की मांग की। संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने बताया कि शिवपुरी के करेरा में सीनियर वकील संजय सक्सेना की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे प्रदेश के वकीलों में भारी गुस्सा है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में वकीलों पर हमले की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं ज्ञापन में टीकमगढ़ जिले में वकीलों के साथ हुई तीन बड़ी घटनाओं का जिक्र किया गया है। ब्रजकिशोर तिवारी और उनके परिवार पर जानलेवा हमला हुआ। वहीं, सुमित्रा राजपूत और उनके पति के साथ अस्पताल में 25-30 लोगों ने मारपीट की, लेकिन पुलिस ने वीडियो होने के बावजूद सिर्फ एक व्यक्ति पर केस दर्ज किया। इसके अलावा, भूपेंद्र बिरथरे के गैरेज में वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया, लेकिन पुलिस ने अब तक आरोपी को नहीं पकड़ा। अधिवक्ताओं का आरोप है कि पुलिस अपराधियों के खिलाफ ढुलमुल रवैया अपना रही है, जिससे उनके हौसले बढ़ रहे हैं। अधिवक्ता संघ ने साफ कहा है कि यदि इन मामलों में अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई और आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे अनिश्चितकाल के लिए पुलिस से जुड़े सभी कानूनी कामों का बहिष्कार कर देंगे। उन्होंने राज्यपाल से मांग की है कि वकीलों की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तुरंत लागू किया जाए और टीकमगढ़ एसपी को पद से हटाया जाए। सोमवार को जिला अधिवक्ता संघ ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया। शिवपुरी के करेरा में वरिष्ठ वकील की हत्या और टीकमगढ़ में वकीलों के साथ लगातार हो रही वारदातों के विरोध में यह कदम उठाया गया। इसके साथ ही मुख्यालय के अन्य अधिवक्ताओं के साथ बीते एक माह में हुई घटनाओं का ज्ञापन में जिक्र किया गया है। उन्होनें पुलिस की कानून व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए है। अधिवक्ताओं के मामले में कार्यवाही की मांग की है।

पुलिस से जुड़े कानूनी कार्यों का करेंगे बहिष्कार

अधिवक्ताओं का आरोप है कि पुलिस अपराधियों के खिलाफ ढुलमुल रवैया अपना रही है, जिससे उनके हौसले बढ़ रहे हैं।अधिवक्ता संघ ने साफ कहा है कि यदि इन मामलों में अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई और आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे अनिश्चितकाल के लिए पुलिस से जुड़े सभी कानूनी कामों का बहिष्कार कर देंगे।

प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग

नवभारत न्यूज, खरगापुर।

नगर खरगापुर में अधिवक्ताओं द्वारा जिला शिवपुरी के अधिवक्ता स्वर्गीय संजय कुमार सक्सेना की 14 फरवरी को गोली मारकर हत्या के संबंध में ज्ञापन सौपा। साथ ही अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल प्रभाव से लागू किया जावे ।

तहसील खरगापुर में अधिवक्ता संघ के द्वारा जिला शिवपुरी में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की ड्यूटी दौरान यूनिफॉर्म में14 फरवरी को गैंगस्टरों द्वारा गोली मारकर कर हत्या कर दी गई है इसके संबंध में सभी अधिवक्ता संघ के द्वारा हड़ताल कर तहसील खरगापुर को ज्ञापन सौपा गया। जिसमें प्रमुख दो मांगे हैं। स्वर्गीय अधिवक्ता सक्सेना के परिजनों को एक करोड़ की मुआवजा राशि एवं परिजनों को सरकारी नौकरी को दी जावे।

50 किसानों की टीम झांसी के लिए रवाना

नवभारत न्यूज टीकमगढ़।

परंपरागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत जिले के 50 किसानों की टीम एक्सपोज़र विजिट पर रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय झाँसी के लिए रवाना हुई।

स्थानीय सर्किट हाउस से भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष पतंजलि किसान सेवा समिति के राज्य प्रभारी मुन्नीलाल यादव तथा कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने हरी झंडी दिखाकर 50 किसानों की टीम को रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय विश्वविद्यालय झाँसी के लिए टीम को रवाना किया। एक्सपोज़र विजिट के दौरान किसानों को जैविक एवं परंपरागत खेती की उन्नत तकनीकों, आधुनिक कृषि पद्धतियों,फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती तथा मूल्य संवर्धन संबंधी जानकारी दी जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को नवीन शोध एवं सफल मॉडलों का अवलोकन कराया जाएगा, जिससे वे अपने क्षेत्र में उन्नत तकनीकों को अपनाकर उत्पादन एवं आय में वृद्धि कर सकें।